Title: Need to take effective steps to check recurring floods in Bihar - Laid.

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी): सभापति जी, बिहार राज्य गत अनेक दशकों से नियमित बाढ़ की चपेट में आकर अपार जन-धन की हानि झेलता चला रहा है। इस र्वा भी 200 से अधिक लोगों की मौतें हो चुकी हैं1 188 करोड़ रूपये की खड़ी फसल भी नट हो चुकी है। बाढ़ के कारण बिहार को तीन प्रकार से नुकसान झेलना पड़ता है। प्रथम, बाढ़ से सीधी हानि, दूसरा हानि के कारण पीड़ित लोगों को राहत देने की आवश्यकता, और तीसरा विकास की दर में कमी होने से क्षेत्र में स्थायी तौर पर पिछड़ापन है। गत दशकों में राज्यों में बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए काम हुआ है। इस पर 728 करोड़ रूपया भी व्यय हुआ। 3,454 किलो मीटर नदियों के किनारे पुस्ता बनवाए। 336 किलो मीटर नालों का निर्माण हुआ, परन्तु ये सब समस्या समाधान के लिए पर्याप्त नहीं। नेपाल से आने वाली नदियों के पानी को नियंत्रित करने के लिए ठोस कार्रवाई राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उसके लिए केन्द्र सरकार को आगे आना होगा। जल संसाधन मंत्रालय से सचिव के नेतृत्व में एक संयुक्त समित का गठन किया गया है। जिसने नेपाल जाकर एक बार संपर्क भी किया है, किंतु यह कार्य की गति इस विनाशकारी समस्या के हल के लिए प्रभावी नहीं दिख रही है। अतः मेरा सरकार से निवेदन है कि इस समिति के कार्य में गति लाने के लिए कारगर कदम उठाए।